बालमन

Powered by Teachers of Bihar

जनवरी-2023 अंक-1

प्रखंड: चाँद

जिला: कैमूर

प्रधान संपादक

प्रमोद कुमार" निराला "

Pramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |

wwww.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "**बाल मन कैमूर**" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में रचनात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "**बाल मन कैमूर**" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्र धनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

विश्व के धरोहर एवं रोचक तथ्य

विश्व के धरोहर

धमेख स्तूप, सारनाथ,

सारनाथ में धमेख स्तूप गुप्त युग की एक भव्य बेलनाकार संरचना (एचटी। 43.5 मीटर, व्यास 28.3 मीटर) है, जो आंशिक रूप से पत्थर और आंशिक रूप से ईंट से निर्मित है। इसके पत्थर के तहखाने में प्रतिमा के लिए बड़े नुकीले के साथ आठ प्रक्षेपित चेहरे हैं और इसे नाजुक रूप से नक्काशीदार पुष्प और ज्यामितीय पैटर्न से सजाया गया है। गुरु के ज्ञान का पवित्र स्थान बनाते हुए, इस साइट को सबसे बड़ी पवित्रता के साथ देखा जाता है और कई मंदिरों, स्तूपों और मठों के साथ एक समृद्ध बौद्ध प्रतिष्ठान बन गया। परंपरा के अनुसार ज्ञानोदय से पहले और बाद की घटनाओं को मनाने के लिए इस स्थल पर बड़ी संख्या में मंदिर और स्मारक बनाए गए थे।
मुख्य ईंट निर्मित मंदिर जिसे महाबोधि मंदिर के रूप में जाना जाता है, जो मूल रूप से लगभग दूसरी शताब्दी ईस्वी में बनाया गया प्रतीत होता है, भारी नवीनीकरण के साथ घिरा हुआ है, चार कोने-टॉवर लगभग 14 वीं शताब्दी ईस्वी सन् का एक मनमाना जोड़ है। इसका केंद्रीय टावर, एक ऊंचे पर खड़ा है प्लिंथ, लगभग 55 मीटर है। ऊँचा और सात मंजिलों का एक सीधा-सीधा पिरामिड है, जिसमें पायलट और चैत्य निचे हैं।

रोचक तथ्य

प्राचीन रोम में मनुष्य की अधिकतम आयु केवल 20 से 30 साल थी.

सच्चे त्याग और आत्मशुद्धि के बिना स्वराज नहीं आएगा।

- सरदार वल्लभ भाई पटेल

सम्पादकीय

प्यारे बच्चो
नमस्कार
ऐसा कोई दिन नहीं होता, जिस दिन आपकी प्रतिभा हमें देखने को नहीं मिलती,दिन प्रतिदिन आपकी प्रतिभा को देखकर मुझे खुशी होती है। हम सभी बाल मन टीम सदैव आप सभी की प्रतिभा को सम्मानित करते हैं।
पत्रिका के प्रथम अंक को समर्पित करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। आप सभी बच्चे अपने अपने विद्यालय में निरंतर नवाचार करते रहे साथ ही अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे। आपके पास कोई कला है तो उसको हम तक जरूर पहुंचाएं।

आप सभी को हमारे बालमन चांद कैमूर की तरफ से नव वर्ष 2023 की ढेर सारीशुभकामनाएं।TOB बालमन चांद कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदा प्रयत्नशील है। अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई है तो उसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं। आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।
आपका
प्रमोद कुमार
कन्या मध्य विद्यालय
चांद , कैमूर

सहयोगकर्ता सदस्य

1-उदय पाण्डेय मध्य विद्यालय चांद
2-मो.असलम मध्य विद्यालय चांद
3-प्रीति कुमारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय धोबहा
4-मीरा कुमारी उत्क्रमित मध्य विद्यालय भलुहारी
5-मोनी कुमारी कन्या मध्य विद्यालय चांद
6-सुमन सिंह पटेल कन्या मध्य विद्यालय चांद

प्रेरक प्रसंग

बुरे काम का बुरा नतीजा

एक गांव में तीन चोर रहते थे ।एक रात उन्होंने एक धनी आदमी के यहां चोरी की ।उन्होंने सारा धन एक थैला में भरा और उसे लेकर जंगल की ओर भाग निकले ।जंगल में पहुंचने पर उन्हें जोर की भूख लगी ।वहां खाने को कुछ नहीं था| इसलिए उनमें से एक चोर पास के एक गांव से खाना लेने गया और बाकी के दोनों चोर जंगल में चोरी के माल की रखवाली कर रहे थे|

जो चोर खाना लेने गया था, उसकी नियत खराब थी।पहले उसने होटल में खुद भोजन किया फिर उसने अपने साथियों के लिए खाना खरीद कर उसमें तेज जहर मिला दिया ।उसने सोचा की जहरीला खाना खाकर उसके दोनों साथ ही मर जाएंगे तो सारा धन उसका हो जाएगा |जंगल में दोनों चोरों ने खाना लेने गए अपने साथी चोर की हत्या करने की योजना बना ली थी।वे उसे अपने रास्ते से हटा कर सारा धन आपस में बांट लेना चाहते थे।तीनों चोरों ने अपनी योजना के अनुसार कार्य किया|
पहला चोर जैसे ही जहरीला भोजन लेकर जंगल में पहुंचा।उसके दोनों साथी उस पर टूट पड़े उन्होंने उसका काम तमाम कर दिया|फिर वे निश्चिंत होकर भोजन करने बैठ गए मगर जहरीला भोजन खाते ही वे दोनों भी तड़प- तड़प कर मर गए|

इस प्रकार तीनों का अंत भी बुरा ही हुआ। इसी लिए कहते है की बुरे काम का बुरा नतीजा|

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष 5जनवरी

मधु प्रिया

पहली बार काग़ज़ी मुद्रा स्वीडन के बैंक ने जारी की,5 जनवरी

5 जनवरी 1691 में आज ही के दिन यूरोप में पहली बार करेंसी नोट छपा था। स्वीडन के बैंक ने यह कागजी मुद्रा जारी की थी। इसके बाद से ही दुनिया में कागज के नोट प्रचलन में आए। हालांकि, स्वीडन से पहले चीन के राजाओं ने छठी, नौवीं और 11वीं शताब्दी में कागज के बिल जारी किए थे। पर वे आम लोगों के बीच चलन में नहीं पाए थे। भारत में करंसी का इतिहास 2500 साल पुराना है। लेकिन कागज का पहला नोट 1862 में अंग्रेजों ने जारी किया था। इस पर ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया के चित्र थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी पहली करेंसी 1938 में छापी थी। पांच रुपए के इस नोट पर किंग जॉर्ज की तस्वीर थी। 332 वर्ष पहले यूरोप में पहली बार छपा था कागज का नोट, स्वीडिश बैंक ने छापा था नोट 1691- मेंआज ही के दिन यूरोप में पहली बार करेंसी नोट छपा था। स्वीडन के बैंक ने यह कागजी मुद्रा जारी की थी। इसके बाद से ही दुनिया में कागज के नोट प्रचलन में आए।

/teachersofbihar

नन्हे कलाकार भाग 1

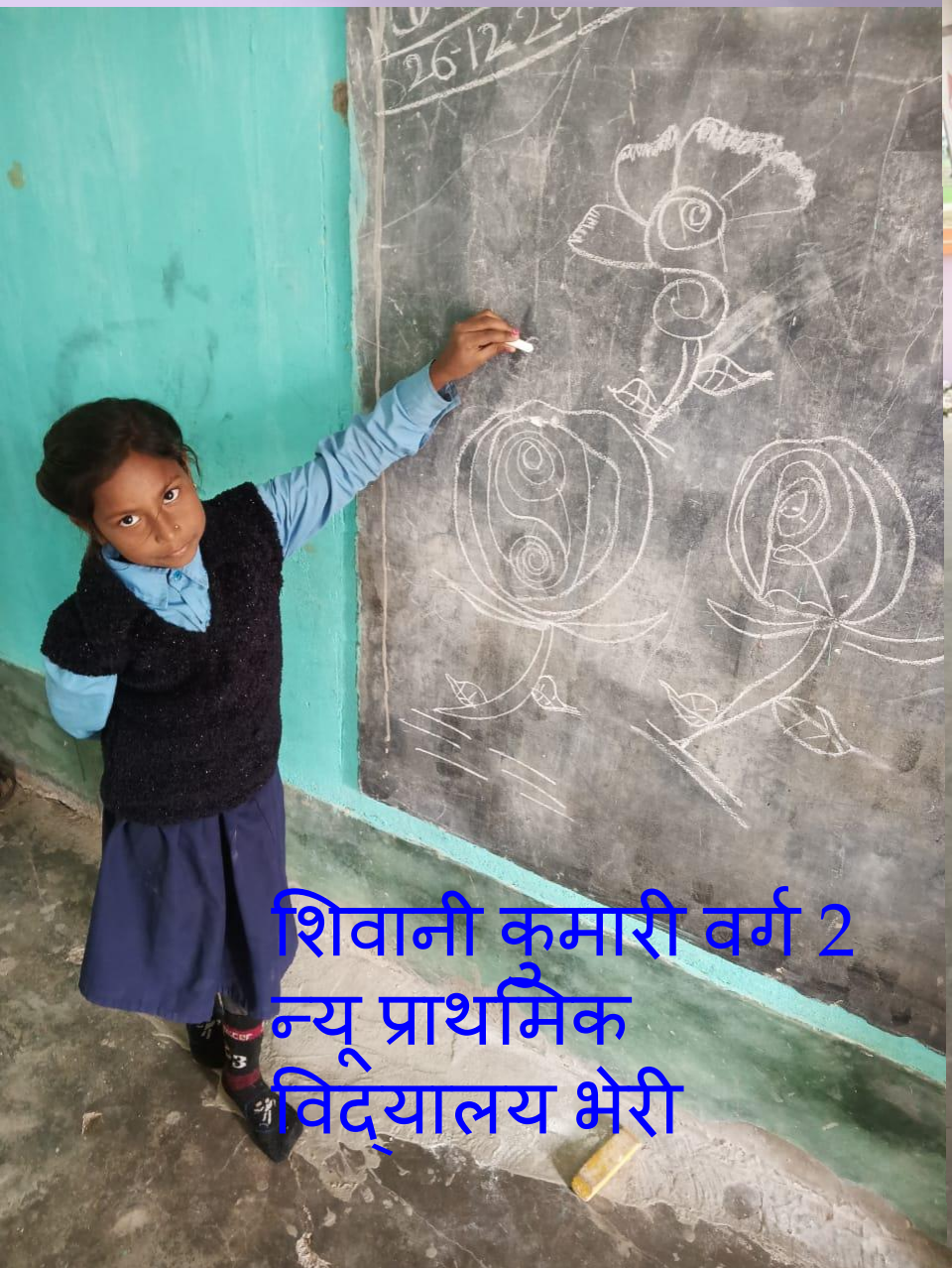

शिवानी कुमारी वर्ग 2
न्यू प्राथमिक
विद्यालय भेरी

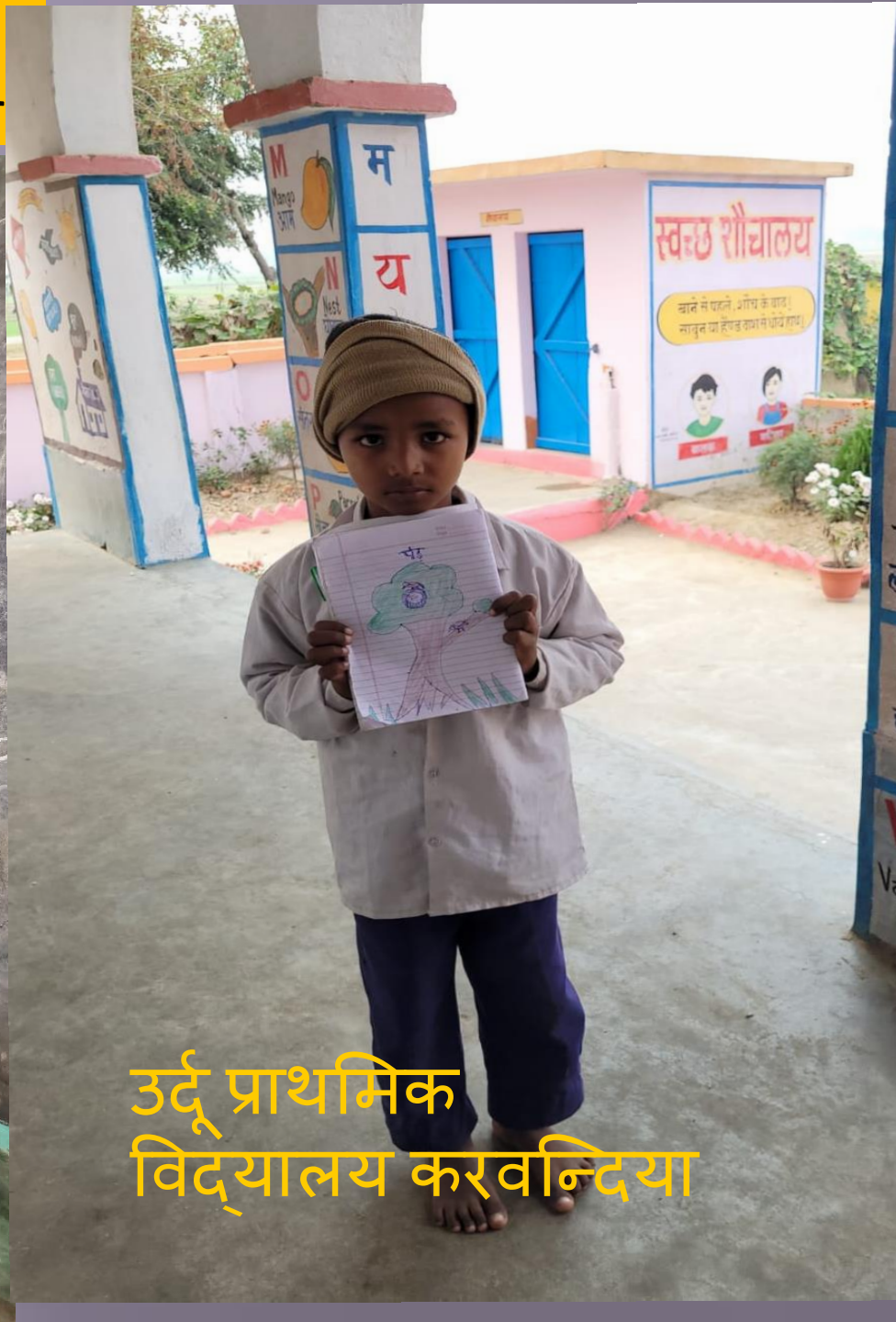

उर्दू प्राथमिक
विद्यालय करवन्दिया

नन्हे कलाकार भाग 2

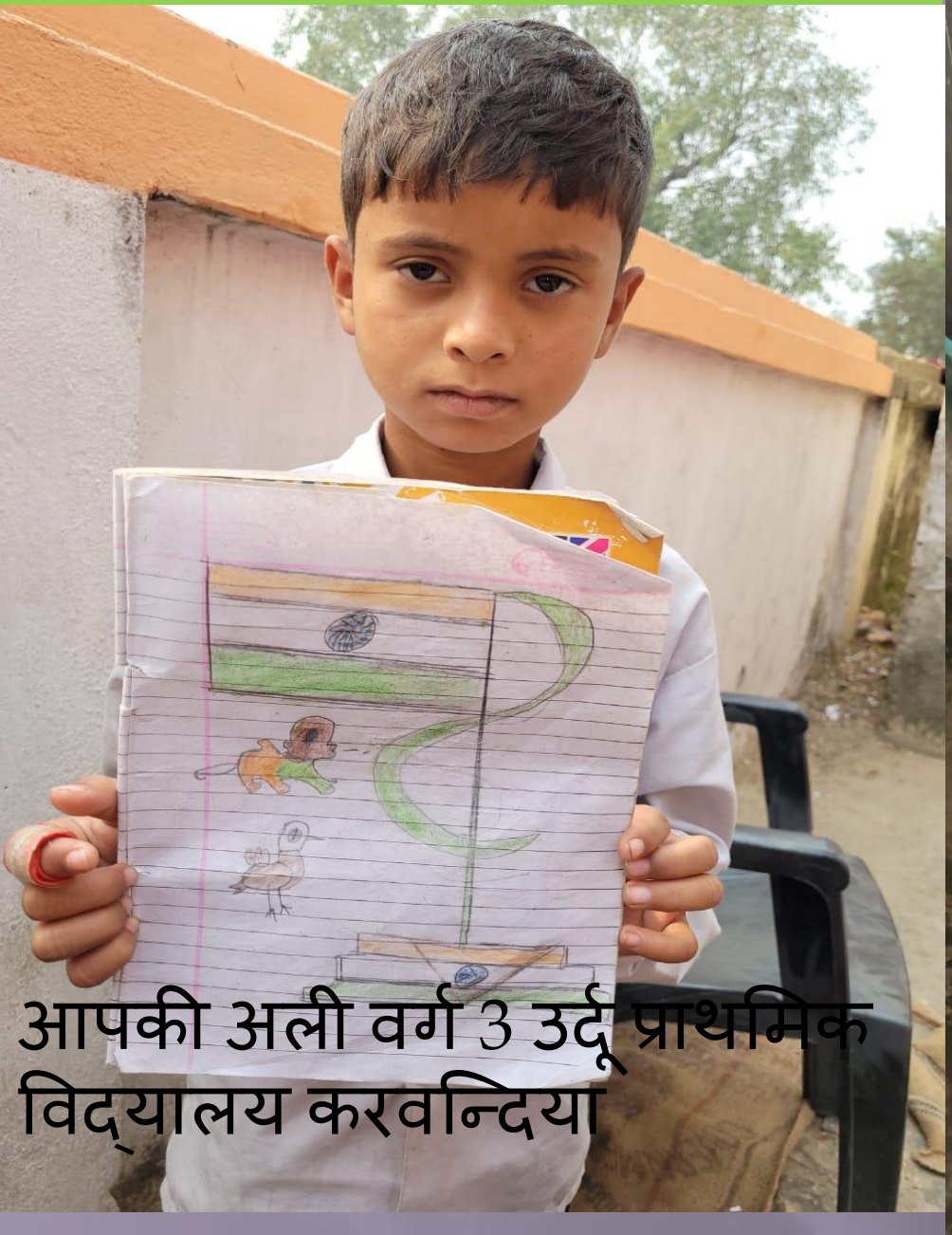

आपकी अली वर्ग 3 उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवन्दिया

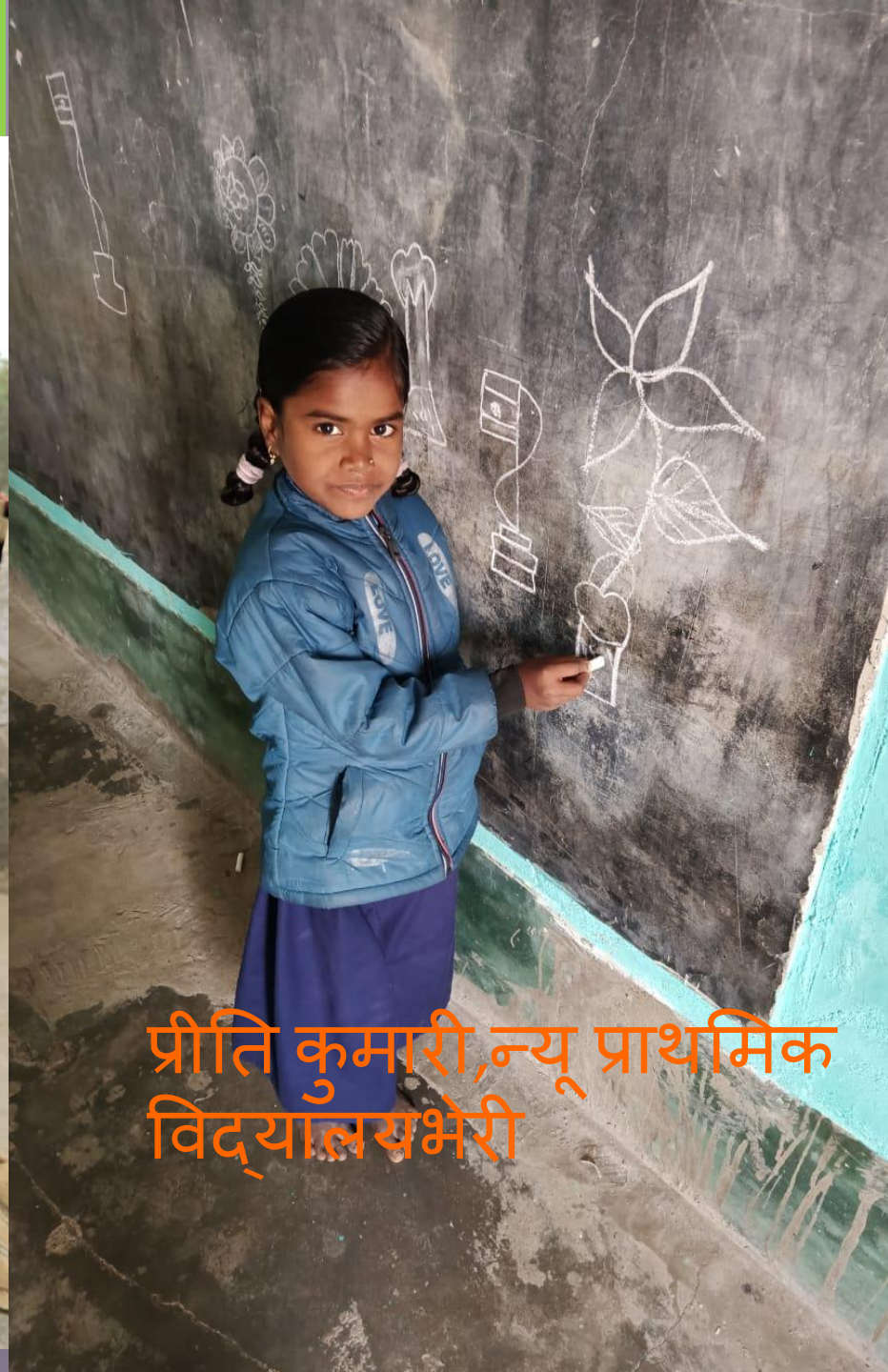

प्रीति कुमारी,न्यू प्राथमिक विद्यालयभेरी

🤔😳अजब - गजब😲🤔

प्रश्न.1-ऐसा कौन सा जीव है जो जीभ से नहीं अपने पैरों से स्वाद लेता है?
जवाब- तितली।
प्रश्न.2- वह कौन का जानवर है जो एक बार सो जाये तो दोबारा नहीं जागता?
जवाब- चींटी एक बार सो जाए तो दोबारा नहीं जगती है।
प्रश्न.3- किस जानवर का दूध गुलाबी रंग का होता है?
जवाब- हिप्पो।
प्रश्न.4- शरीर का ऐसा कौन-सा हिस्सा है, जिसमें खून नहीं पाया जाता?
जवाब- कॉर्नियां ।
प्रश्न.5- वह कौन सा है जो भूख लगने पर अपना शरीर खा सकता है?
जवाब- चूहा।

प्रेषक: कुमार राकेश मणि (UHS कोटा नुआंव)

रोचक गणित

गणित में कुछ रोचक पैटर्न है,जिसे देख कर आप भी कहेंगे की सच में गणित रोचक है।

1×1=1
1और 1 के गुणा करने से 1 प्राप्त होता है।
11×11=121
यहां 11 में दो बार 1 लिखा गया है इसलिए 11 में 11 से गुणा करने पर 2 को बीच में रखा गया है।
इसी प्रकार
111×111=12321
1111×1111=1234321
11111×11111=123454321
111111×111111=12345654321
1111111×1111111=1234567654321
11111111×11111111=123456787654321
111111111×111111111=12345678987654321

पहेलियां-
1-वह क्या है जिसे जितना बांटो उतना बढ़ता है।
2-कमरकस के कोने में पड़ी, इसकी जरूरत हर घर में पड़ी।

सही उत्तर --
1-शिक्षा। 2-झाड़ू

संजीत कुमार वर्ग-6
मध्य विद्यालय चांद

😂😂 थोड़ा मुस्कुरा भी दो!

1.दो लड़के आपस में बात करते हुए स्कूल जा रहे थे।
पहला लड़का :- यार आकाश तुम्हारी मम्मी तुम्हे अभी स्कूल जाते समय TATA SKY क्यों बोल रही थी ?
आकाश :- अरे यार मेरी मम्मी इस समय इंग्लिश सीख रही है वो मुझे बाय कर TATA बोल रही थी और साथ में मेरा नाम ले रही थी क्योंकि SKY मतलब आकाश होता है न। इसलिए TATA SKY बोल रही थी।
🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣

2. ठंडी के दिन में गलती से पंखे का बटन क्या दब गया।
पूरा परिवार यूँ देखने लग गया जैसे मैं कोई आतंकवादी हूँ ।
मैं तो डर गया और तुरंत पंखे के स्विच को ऑफ कर वहां से गायब हुआ।
🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣🤣

चेतना सत्र

उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंदा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय किलनी चांद

पेटिंग ऑफ द मंथ आपके पेंटिंग भाग 1

सुजीत गुप्ता वर्ग 7
उ.म.वि. बस हां चांद

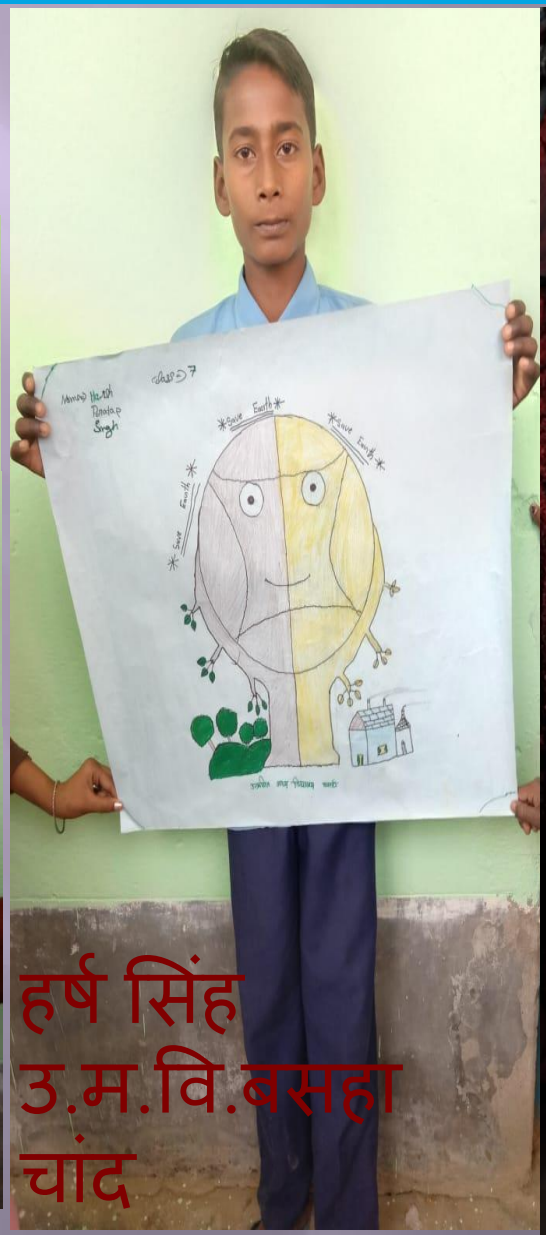

हर्ष सिंह
उ.म.वि.बसहा
चांद

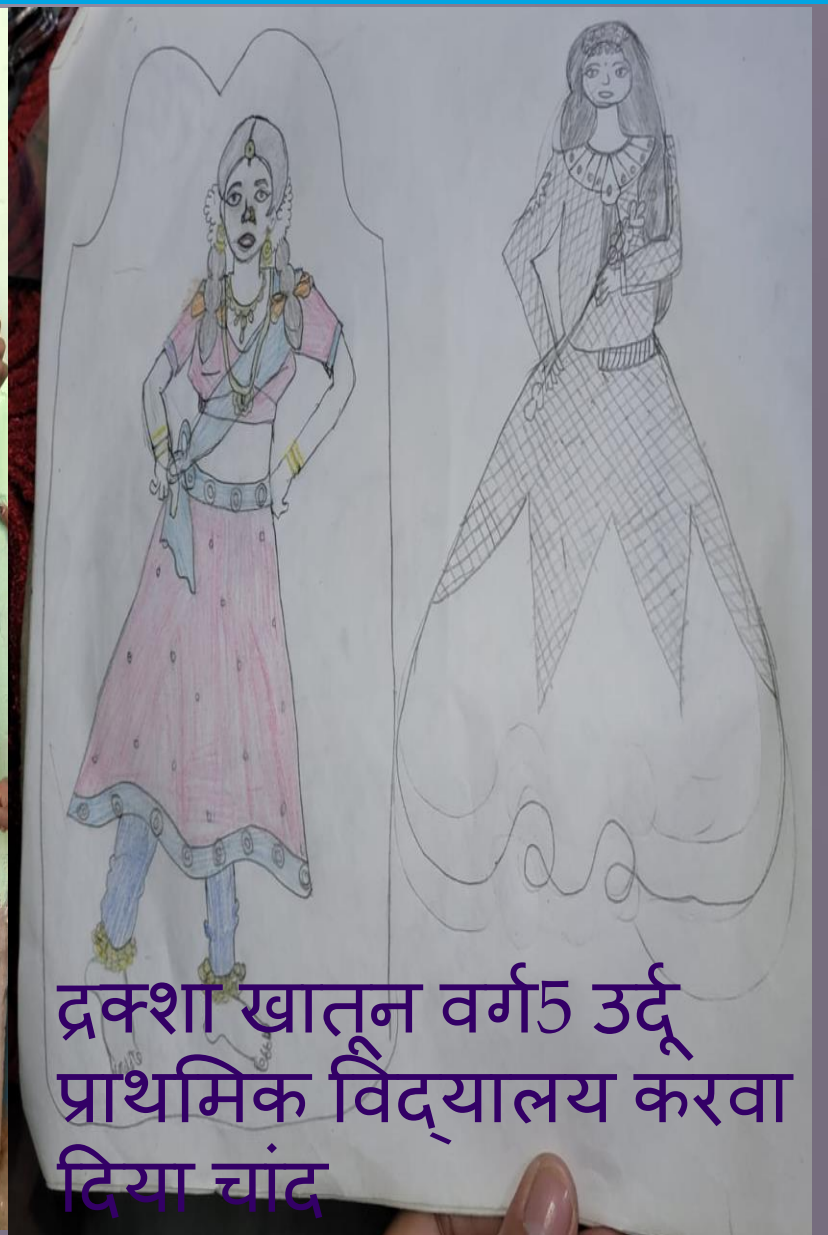

द्रक्शा खातून वर्ग5 उर्दू
प्राथमिक विद्यालय करवा
दिया चांद

आपके पेंटिग भाग 2

कौशल्या कुमारी वर्ग 7 उ.म.वि.भलुहारी चांद

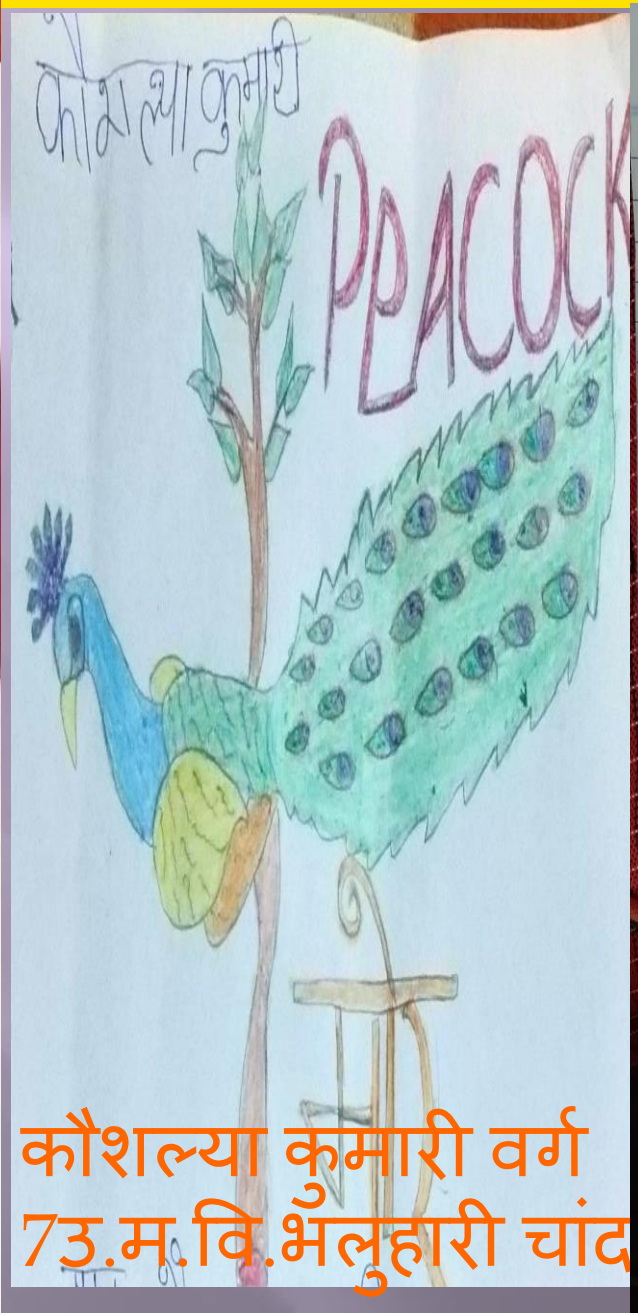

कौशल्या कुमारी वर्ग 7उ.म.वि.भलुहारी चांद

शबनम वर्ग 6 कन्या मध्य विद्यालय चांद

आपके पेंटिग भाग 3

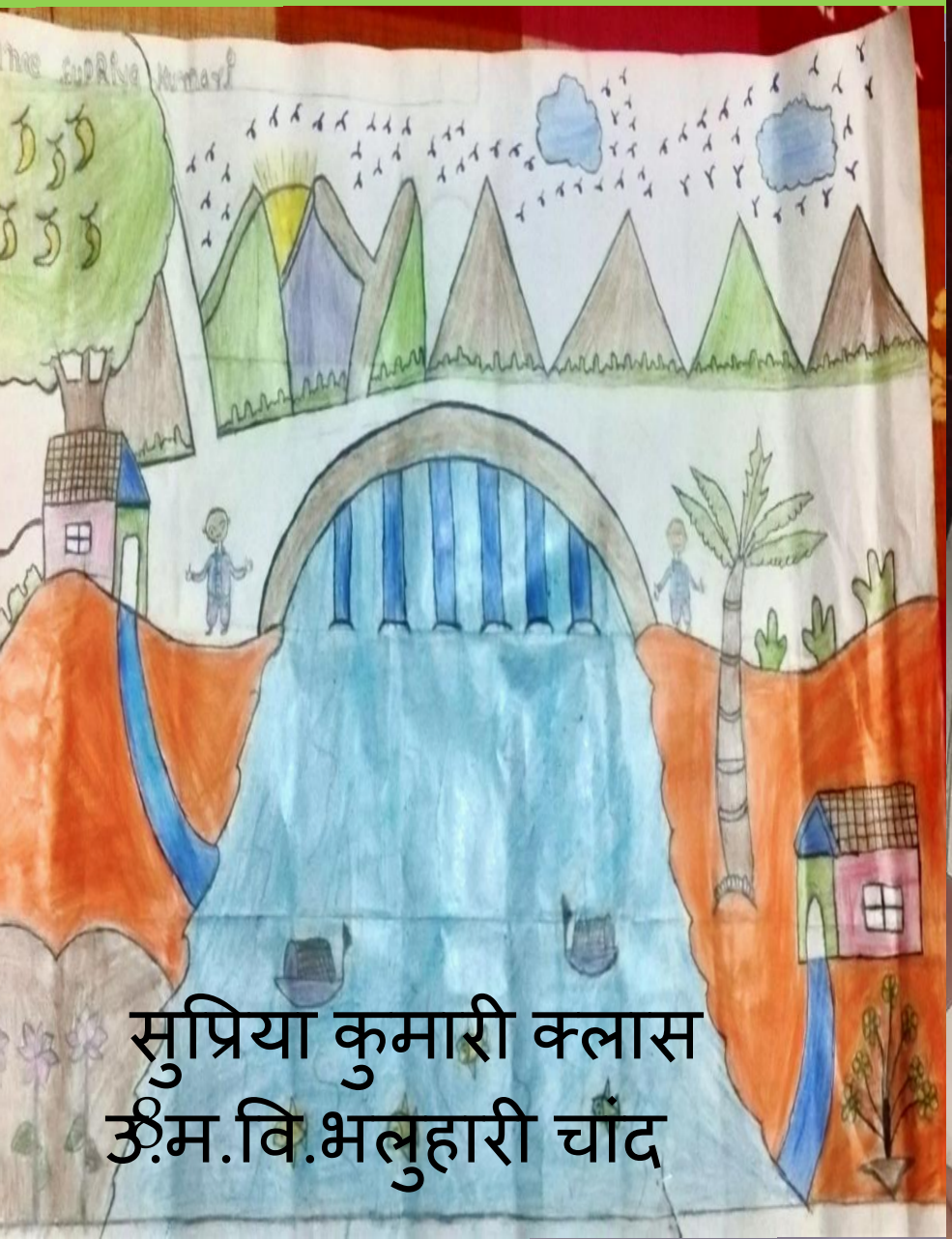

सुप्रिया कुमारी क्लास ३म.वि.भलुहारी चांद

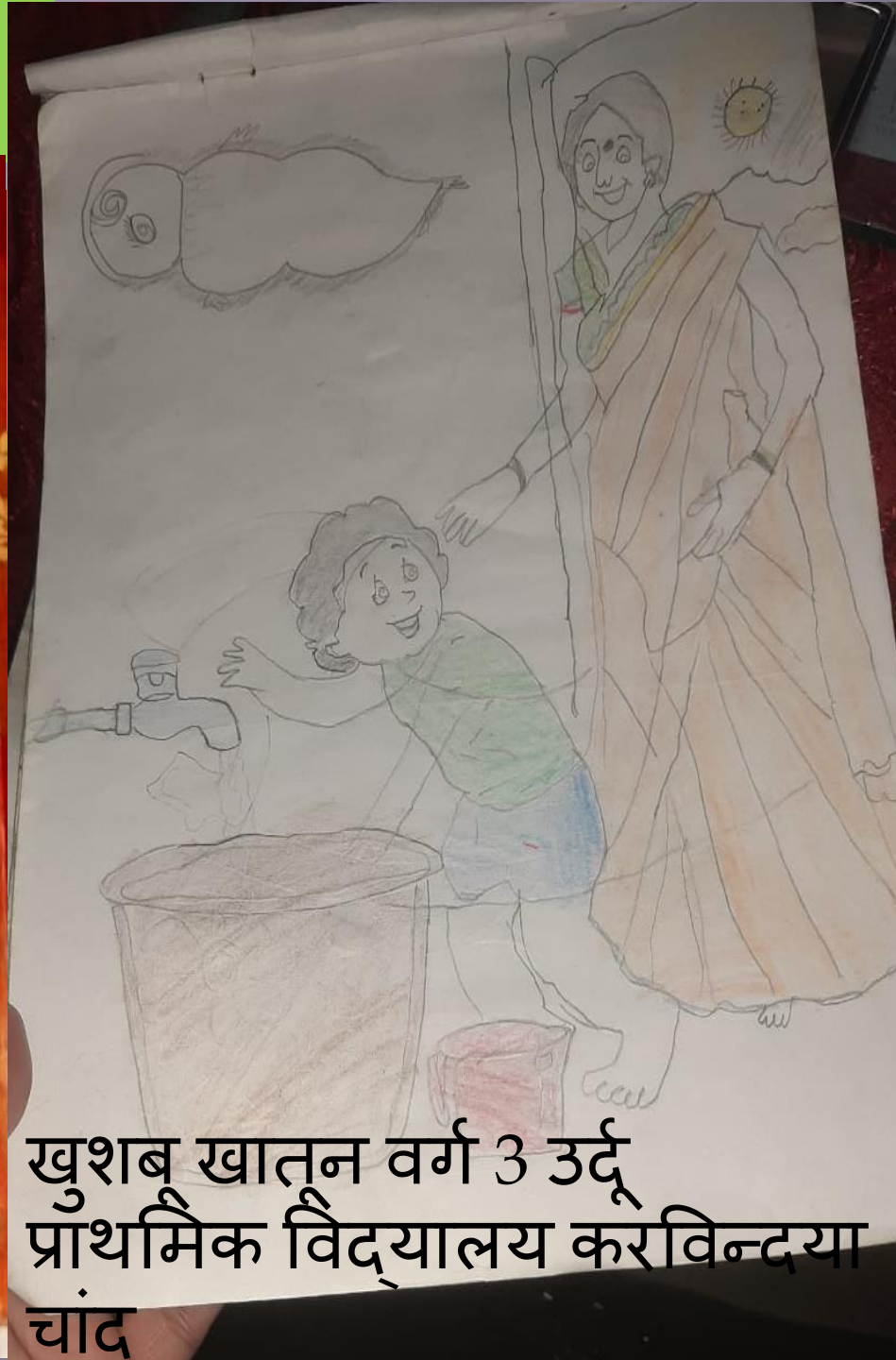

खुशबू खातून वर्ग 3 उर्दू प्राथमिक विद्यालय करविन्दया चांद

आपके पेंटिंग भाग 4

उ.म.वि.भलुहारी चांद

उ.म.वि.भलुहारी चांद

अफसाना खातून
वर्ग 4 उर्दू
प्राथमिक
विद्यालय

बैगलेस शनिवार

बिहार सरकार

बैगलेस
सुरक्षित शनिवार
हर शनिवार एक रोचक नवाचार

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसहा चांद

उत्क्रमित मध्य विद्यालय किलनी

पेन और पैंसिल आर्ट

कविता

कविता-मेरा देश
भारत मेरा सबसे प्यारा,
सब देशों से सबसे न्यारा।
आओ मिलकर गाए गान,
मेरा भारत देश महान।
धरती हरी -भरी है न्यारी,
महकी फूलों की ज्यो क्यारी।
ऊंचे पर्वत बड़े महान,
अदभुत इसकी ऐसी शान।
झर -झर- झर इसमें,
गति वीरता के वे कहते।
भरे -भरे इसके खलिहान,
वीरों की भारत है खान।
भारत की है बात निराली,
गाथा इसकी हिम्मतवाली।
भारत का है जन-जन न्यारा,
भारत जग में सबसे प्यारा।
गुड़िया कुमारी वर्ग 8
मध्य विद्यालय चांद कैमूर

कविता---मैं पानी हूं
पानी हूं मैं पानी हूं।
सबका जीवन हरियाली हूं,
मेरे बिन नहीं कुछ भी मैं गंगा में सागर हूं।
मुझे ग्रहण कर जीते मनुष्य, जानवर अन्य।।
पानी हूं मैं पानी हूं।
मेरे बिना वृक्ष भैया भी सूख जाते,
मैं रहती सभी जगह खेल नदी तालाबों में।
मैं हूं सबकी लाडली अगर मैं नहीं रहती,
हो जाते सभी दुखी।।
हर पाप को धो देती हूं,
सब को शुद्ध बनाती हूं।
हर बीमारी से बचाती,
मेरे बिन होगा कुछ भी नहीं बिन पानी सब सून।।
पानी हूं मैं पानी हूं ,
सबका जीवन हरियाली हूं।।
शीतल कुमारी
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंदा चांद ,कैमूर

कविता---आई बादल
काली-काली आई बादल,
नीली गगन पे छाई बादल।
रिमझिम -रिमझिम पानी गिरता,
धरती हरी बनाई बादल।
काली-काली आई बादल,
हरी धरती पेपानी बरसाई बादल।
घिरे-घिरे रिमझिम-रिमझिम पानी बरसे,
गई बादल धरती हरी बनाई बादल।
संध्या कुमारी वर्ग 6
उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहेरिया चांद, कैमूर

मेरा स्कूल
कितना सुंदर है स्कूल,
रंग-बिरंगे इसके फूल।
फूल सुहाने सबको भाते,
उन्हें देखकर सब ललचाते।
टीचर हमको पाठ पढ़ाती,
नई-नई बातें सिखलाती।
फूलों से गिनती करवाती,
टॉफी लेकर हमें खिलाती।
कितना सुंदर है स्कूल,
रंग-बिरंगे है इसके फूल।
रूपा कुमारी वर्ग 6
मध्य विद्यालय चांद

कविता-- स्कूल जाना ज्ञान बढ़ाना
देखो -देखो स्कूल खुला है,
चलो पढ़ाई करते हैं।
झगड़ा छोड़ो वक्त नहीं है,
क्यों लड़ाई करते हैं।
हमको पढ़ने जाना है,
पढ़ कर आगे बढ़ना है।
पढ़ लिख कर ही तो लोग,
खूब कमाई करते हैं।
अनपढ़ नहीं रहेंगे अब,
अपना ज्ञान बढ़ाना है।
बात यही समझ कर हमें,
चलो पढ़ाई करते हैं।
सोमी खातून
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय धोबहा चांद, कैमूर

कविता-- चिड़िया बैठी डाल पे
चिड़िया बैठी डाल पर,
गाना सुनाती लाल पर।
लाला आया केला लाया,
मुझे खिलाया खुद गिर गया।
चिड़िया बैठी डाल पर,
गाना सुनाती लाल पर।
सुबह जगाती अरे शाम बुलाती,
आओ मेरे मुन्ना राजा खेलो।
मेरे साथ में मैं अकेली चिड़िया,
रानी बैठी अपने डाल पर।
चिड़िया बैठी डाल पर ,
गाना सुनाती लाल पर।
मुन्ना आया और फूल भी लाया,
मुझे दिखाया देखो मेरी चिड़िया रानी मैं क्या लाया हूं।
देखो जरा मुन्ना भैया तुम क्या लाए हो,
यहां लो चिड़िया सुगंध लो और सो भी जाओ।
चिड़िया बैठी डाल पर,
गाना सुनाती लाल पर।
विशा कुमारी
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंदा चांद ,कैमूर

कविता -गुरु पूर्णिमा
गुरु के बिना ज्ञान नहीं,
ज्ञान के बिना कोई महान नहीं।
भटक जाता है जब इंसान,
तब गुरु ही देते हैं ज्ञान।
ईश्वर के बाद अगर कोई है ,तो वो गुरु है।
दुनिया से वाकिफ जो कराता है, वह गुरु है।
हमें जो अच्छा इंसान बनाता है, वो गुरु है।
हमारी कमियों को जो बताता है, वो गुरु है।
हमें इंसानियत सिखाता है, वो गुरु है।
हमारे अंदर एक विश्वास जगाता है ,वोगुरु है।
टिमशी कुमारी
वर्ग 6
मध्य विद्यालय चांद कैमूर

कविता मेरी मां____
सबसे प्यारी मेरी मां,
जग से न्यारी मेरी मां ।
दुनिया में अनमोल मेरी मां,
हर पल में है मेरी मां।।
खुशियां सारी देती मां,
चलना हमें सिखाती मां।
सही गलत बतलाती मां,
हर पल में है मेरी मां।।
मंजिल हमें दिखाती मां,
पढ़ना हमें सिखाती मां।
कहानी हमें सिखाती मां,
हर पल में है मेरी मां।।
मां कहती है चलो स्कूल,
तुमको पढ़ने जाना है।
सबसे अच्छी मेरी मां,
हर पल में है मेरी मां।।
साइना परवीन
वर्ग 7
उत्क्रमित मध्य विद्यालय धोबहा चांद, कैमूर

खेल कॉर्नर

उदय पांडेय मध्य विद्यालय चांद

आइए एक नज़र डालें कि ओलंपिक में एथलेटिक्स में कौन-कौन से इवेंट रहते हैं।

मैराथन

मैराथन ओलंपिक में सबसे लंबी दूरी वाली दौड़ है, जिसमें दौड़ने वाले एथलीट एक सड़क मार्ग पर 26 मील और 385 गज की दूरी को तय करते हैं।

जंप (हाई जंप, लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप, पोल वॉल्ट)

ट्रैक और रोड रेस के बाद अब हम आपको फील्ड इवेंट्स पर ले चलते हैं; यहां हम चार जंप इवेंट से शुरूआत कर रहे हैं।

ऊंची कूद (हाई जम्प) में एथलीट एक रन-अप लेकर चार मीटर की ऊंचाई पर लगे बार के ऊपर से अधिक से अधिक ऊंचाई को कूद सकते हैं। प्रत्येक प्रतियोगी के पास एक तय ऊंचाई को सही से कूदने के लिए तीन मौके मिलते हैं, जिसे वह खुद तय कर सकते हैं और वर्तमान ऊंचाई को पार न कर पाने के वावजूद अधिक ऊंचाई पर बार को सेट करने का विकल्प भी चुन सकते हैं। बार को तीन प्रयास में पार ना कर पाने वाला एथलीट प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगा।

पोल वॉल्ट में प्रतियोगी हाथ में एक पोल के साथ एक रनवे के पर स्प्रिंट करते हैं और खुद को ऊपर ले जाने के लिए इसे नीचे फंसा देते हैं, जिसके बाद उन्हें 4.5 मीटर लंबी पट्टी को एक तय ऊंचाई पर से सफाई से कूदना होता है। इस बार को वह खुद ही अपने मुताबिक किसी भी ऊंचाई पर सेट कर सकते हैं।

जारी....

राकेश कुमार
शारीरिक शिक्षक
मध्य विद्यालय बलुआ
मनेर [पटना]

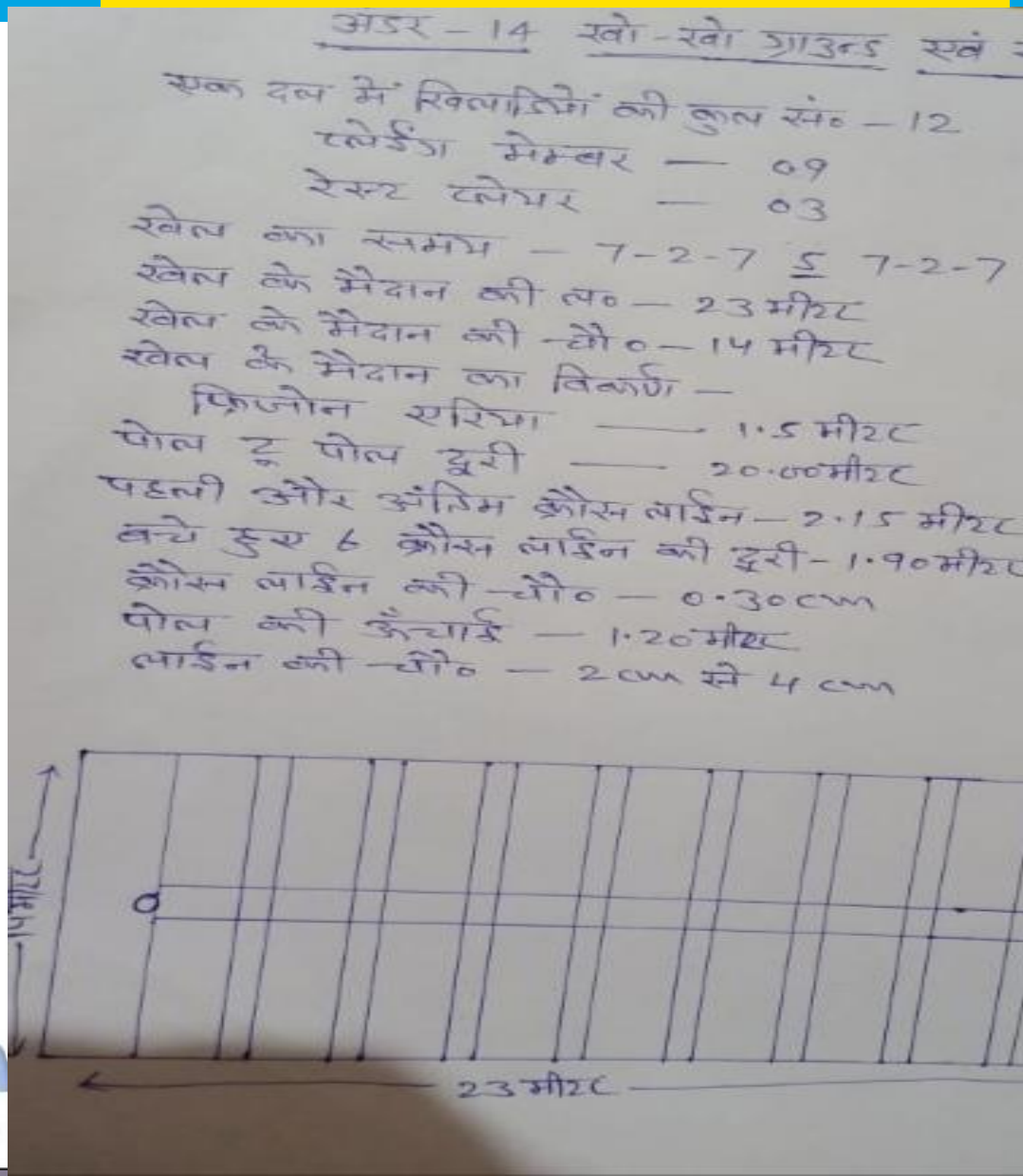

कहानी

शिक्षा की ताकत

एक गांव में एक लड़का रहता था। वह बहुत ही गरीब था। वह अपने पड़ोसी दोस्त के साथ खेलने जाता तो उसके पड़ोसी दोस्त उसे भगा देते थे। एक दिन जब उसके पड़ोसी दोस्त स्कूल जाते तो उसका भी मन करता था कि स्कूल जाऊं लेकिन उसके पास इतना पैसा नहीं था कि वह स्कूल जा सके ।रोज की तरह लड़का कूड़ा कचरा बिनता था और जो कूड़ा कचरा बेचकर पैसा मिलता वह पैसों से काफी कलम खरीद कर अपने अंधेरे घर में पढ़ाई करता था। इसी तरह कूड़े कचरे बेचकर उसने खूब पढ़ाई किया एक दिन कुछ अफसर आकर सभी बच्चों से सवाल पूछ रहे थे तो तभी वह लड़का आया तो उससे पूछा कि बेटे तुम्हारा क्या नाम है तो लड़के ने बोलासर मेरा नाम सुरेश है। अब आप सर सवाल पूछा लड़के सही जवाब दोगे तो उसे ₹100000 देंगे सुरेश सोचा सोचने लगा कि अगर मैं सवाल का सही जवाब जवाब दे दूंगा तो मेरे पास पढ़ाई करने के लिए कुछ पैसे आ जाएंगे मैं पढ़ाई कर पाऊंगा सभी बच्चों ने बोला ठीक है सर आप सवाल पूछिए तो बच्चों से सर ने सवाल पूछा बच्चों गौतम बुध का जन्म कब हुआ था तब किसी बच्चों ने सही सवाल का जवाब नहीं दे पाए। तभी सुरेश बोला सर 363 ईसा पूर्व । सर बोले सही जवाब बेटा तुम्हारा सर कौन है और तुम कितने पढ़े हो सुरेश बोला सर मैं कहीं भी नहीं पड़ता मैं अपने अंधेरे घर में ही पढ़ता हूं और मेरे पास काफी के लिए पैसा नहीं होता है मैं कूड़ा करकट बेचकर जो पैसा मिलता है उसी पैसे से किताब काफी लेकर पढ़ाई करता हूं सर बोले आज से तुम मेरे साथ आओगे और मैं तुम्हें पढ़ाऊंगा चलो सुरेश कहने लगा लेकिन सर मेरे पास एक भी पैसा नहीं है तो सर बोले मैं तुमसे पैसा नहीं लूंगा मैं तुम्हें अपने बेटे की तरह रख लूंगा और सुरेश चला गया वहां खूब मन लगाकर पढ़ाई किया और वह पढ़ लिख कर बड़ा आदमी बन गया और पहले जहां पर रहता था वह सोचा कि मैं अपने गांव जाऊं वहां पर जाकर देखा कि मेरे घर के पड़ोसी दोस्त क्या कर रहे हैं सुरेश देखा कि मेरे दोस्त यह हालत। सुरेश के दोस्त कहने लगे मुझे माफ कर दो सुरेश मैं तुम्हें बुरा भला कहा करता था सुरेश अपने दोस्तों को अपने बिजनेस में रख लिया।

संध्या कुमारी

वर्ग 6

शिक्षा का महत्व

एक गांव में 2 दोस्त रहते थे। सूरज और दिनेश दोनों एक ही क्लास में पढ़ते थे। सूरज अधिक समय पढ़ाई में बिताता जबकि दिनेश का अधिक समय मोबाइल या खेलकूद में बितता था। दिनेश का कहना था कि जिंदगी खेलकूद के लिए मिली है ।दिनेश अमीर घर से जबकि सूरज गरीब घर से था। एक दिन दोनों दोस्त साथ-साथ स्कूल गए शिक्षक ने उन्हें एक सवाल दिया सूरज सवाल बनाने लगा लेकिन दिनेश को कुछ समझ नहीं आ रहा था वह सूरज की नकल करके सूरज से भी पहले शिक्षक को वह सवाल दिखाते हुए बोला देखिए सर मैं कितना चालाक हूं पर शिक्षक को आश्चर्य हुआ कि जो गिनती पहाड़ा नहीं जानता वह कैसे सवाल बना सकता है उन्होंने दिनेश को श्यामपट्ट पर बुलाया और वह सवाल बनाने को कहा। दिनेश की तो हालत पंचर हो गई वह डरते हुए शिक्षक को बोला सर मैंने सूरज का नकल करके आपको सवाल दिखाया था। शिक्षक उससे मारने के बजाय उसको समझाते हैं कि बेटा दिनेश हमें कभी भी दूसरों का नकल नहीं करना चाहिए अगर तुम्हें नकल करना है तो उसके दूसरे अच्छे गुणों की नकल करनी चाहिए जो तुम्हारे दोस्त में कूट-कूट कर भरा है। शिक्षक के इतना समझाने के बाद भी वह नहीं समझा। खेलने चल दिया दिनेश खेलने के लिए जा रहा था तभी देखा कि सूरज नहीं आ रहा है। वह सूरज के पास गया और देखा कि सूरज पढ़ रहा है दिनेश सूरज से हंसते हुए कहा तुम ऐसे ही पढ़ते-पढ़ते पागल ना हो गया तो हमसे कहना। वह तो चला खेलने। दिन बीते गए सूरज को अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए शहर जाना था पर उसके जेब में पैसे नहीं थे। वहां अपने मित्र दिनेश से पैसे मांगता है पर उसका दोस्त दिनेश मना कर देता है वहां सूरज मेहनत मजदूरी करके पैसे कमाता है और पढ़ाई करने के लिए वह शहर जाता है। इधर दिनेश खूब पैसे उड़ाता है वह पढ़ा लिखा नहीं था इसलिए दूसरे लोग उसे बेवकूफ बनाकर उससे पैसा हथिया लेते थे। उसके दिन इतने खराब हो गए कि उसे भीख मांगने पड़ गए। इधर सूरज पढ़कर बड़ा आदमी बन चुका था वह सोचा कि चलो अब अपने गांव चलते हैं। वहां एक कार में चल दिया वह जैसे ही अपने गांव में प्रवेश किया तो देखा एक व्यक्ति फटे हुए कपड़ों में भीख मांग रहा है। सूरज को उस पर दया आ गई और वह उसके पास गया और देखा कि दिनेश भीख माग रहा है। दिनेश सूरज को देखते ही रोने लगा और कहने लगा ।काश मैं भी खेलकूद के समय पढ़ लेता, अगर मैं उस समय पढ़ने पर ध्यान लगाता तो आज वह मेरी दशा नहीं रहती मुझे अब जाकर समझ आया।

हरिओम कुमार

माथा पच्ची

2 मिनट में 5 महानगरों का नाम खोजें और बन जाइए जीनियस।

P	U	N	A	T	X	K	H	L	C
M	U	M	B	A	I	O	A	T	H
P	A	T	N	A	U	L	R	A	H
K	O	L	K	A	T	A	D	I	E
N	H	W	D	E	L	A	I	N	N
I	R	B	H	I	T	T	K	N	A
N	E	W	D	E	L	H	I	U	I

विज्ञान कॉर्नर

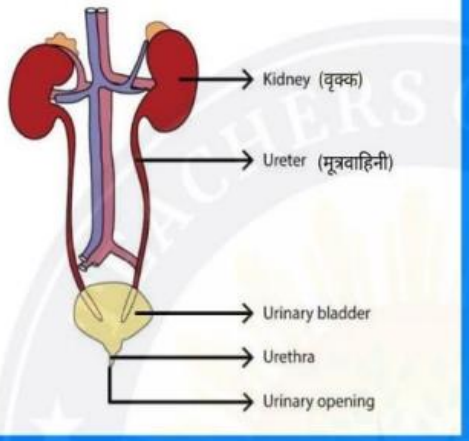

मनुष्य में वृक्क एक प्रमुख उत्सर्जी अंग हैं।
यह स्त्री पुरुष में एक समान होते हैं।
यह दोनों वृक्क या गुर्दे पेट के पिछले भाग में, कमर के ऊपर सेम के बीज जैसे आकृति वाले होते हैं।
जब रक्त दोनों गुर्दो में पहुँचता है तो इसमें उपयोगी और हानिकारक दोन प्रकार के पदार्थ होते हैं।
उपयोगी पदार्थ को रक्त पुनः अवशोषित कर लेता है।
जल में घुले हुए अपशिष्ट पदार्थ मूत्र के रूप में बदल जाते हैं।
यह मूत्र मूत्रवाहिनी से होते हुए मूत्राशय में एकत्रित होते हैं।
यह मूत्राशय से पुनः मूत्रमार्ग से बाहर निकल जाते हैं।

राजेश कुमार सिंह, विज्ञान शिक्षक, कैमूर

उत्सर्जन तंत्र

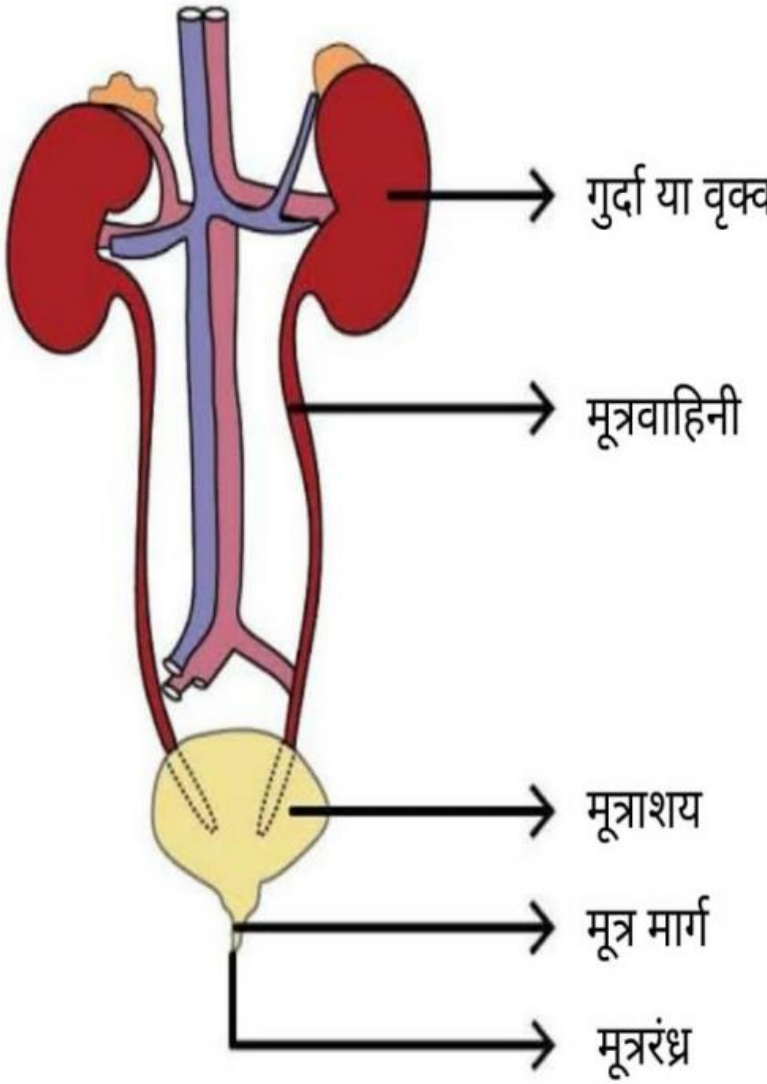

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसहा चांद

उत्क्रमित मध्य विद्यालय भलुहारी चांद

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बसहा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय भलुहारी

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहेरिया चांद

फोटो ऑफ द मंथ भाग 3

कुमारी अन्नू सिंह वर्ग 6 कन्या मध्य विद्यालय चांद

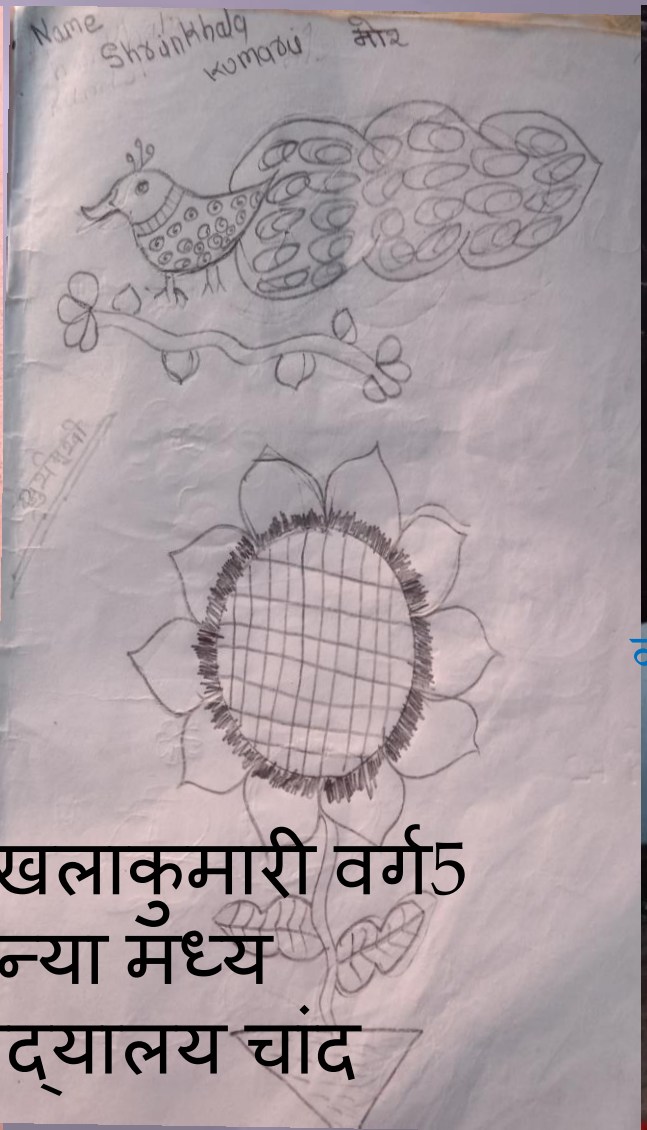

श्रृंखलाकुमारी वर्ग5 कन्या मध्य विद्यालय चांद

कन्या मध्य विद्यालय चांद

गणित की जानकारी

समय

60 सेकंड = 1 मिनट	365दिन/366दिन = 1 वर्ष
60 मिनट = 1 घंटा	12 महीना = 1 वर्ष
24 घंटा = 1 दिन	10 वर्ष = 1दशक
7 दिन = 1 सप्ताह	100 वर्ष = 1 शताब्दी

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा कैमूर

3D आकृतियां/3D SHAPES

3D आकृति या त्रि-आयामी आकृति वह है जहाँ आकृति के तीन आयाम लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई तीनों शामिल हो।

चित्र की आकृति को पहचाने और उनके सही नाम से मिलान करे।

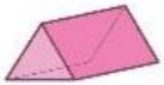

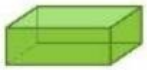

- शंकु
- प्रिज्म
- घन
- पिरामड
- गोला
- बेलन
- घनाभ

TEACHER OF THE MONTH

चहक

न्यू प्रा.वि.भेरी चांद

मध्य विद्यालय चांद

उत्क्रमित मध्य
विद्यालय चन्दा

कन्या मध्य
विद्यालय चांद

खुद को परखें (सामान्य ज्ञान)

खुद को परखे-

1-बिहार में कुल कितने जिले हैं-

A-38. B-36

C-32. D-37

2-बिहार के राज्यपाल का नाम बताएं-

A-नीतीश कुमार B-फागू चौहान

C-लालू यादव D- नरेंद्र मोदी

3-कैमूर के जिला पदाधिकारी का नाम बताएं-

A-नवदीप शुक्ला B-सुमन शर्मा

C-नरेंद्र मोदी. D-नीतीश कुमार

4-कैमूर के कुल प्रखंड(ब्लॉक)की संख्या बताएं-

A-9. B-10

C-11. D-12

5-कैमूर के शिक्षा पदाधिकारी का नाम बताएं-

A-नरेंद्र मोदी. B-नीतीश कुमार

C-नवदीप शुक्ला D-सुमन शर्मा

6-मुंडेश्वरी धाम कैमूर के किस प्रखंड में अवस्थित है-

A-चांद B-चैनपुर

C-भगवानपुर. D-भभुआ

सही उत्तर 1-A 2-B 3-C 4-C 5-D 6-C

एक नजर इधर भी

जल ही जीवन है-

जल को सुरक्षित रखकर ही जीवन की परिकल्पना की जा सकती है। पृथ्वी की सतह लगभग 75% जल से भरी है ,परंतु इसका 97% समुद्रों में खारा जल है तथा पृथ्वी पर लगभग 3% जल ही पीने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पिछले 10 सालों में लगभग 8 से 9 मीटर तक जल स्तर गिर गया है।

अनुमान है कि 2025 तक पानी की कमी से पृथ्वी का पर लगभग 1.5अरब लोग दूषित जल ग्रहण करेंगे सार्वजनिक स्थानों पर नलो की टवनटी या तो टूटी है या फिरखुली रहती है। पाइपलाइन की लीकेज के चलते लगभग 7लाख लीटर पानी व्यर्थ में बहा दिया जाता है पानी आपूर्ति में करीब 25 फ़ीसदी जल की बर्बादी हो जाती है।

कैसे रोके-

1-बारिश के पानी का संरक्षण कर।

2-नहाते समय शावर की जगह बाल्टी या टैब का उपयोग करें। बूंद से बूंद बचाते।

3-रसोई का बचा हुआ पानी घर के गमलों में लगे पौधों की सिंचाई करें।

4अगर घर में आर ओ लगा है तो उसका पानी भी सुरक्षित करें उसे कपड़े धोने में उपयोग में लाएं।

5-कपड़े धोने में उपयोग किया गया पानी गाड़ी धोने तथा फर्श धोने में प्रयोग करें।

P.K."Nirala"

जीवन गाथा

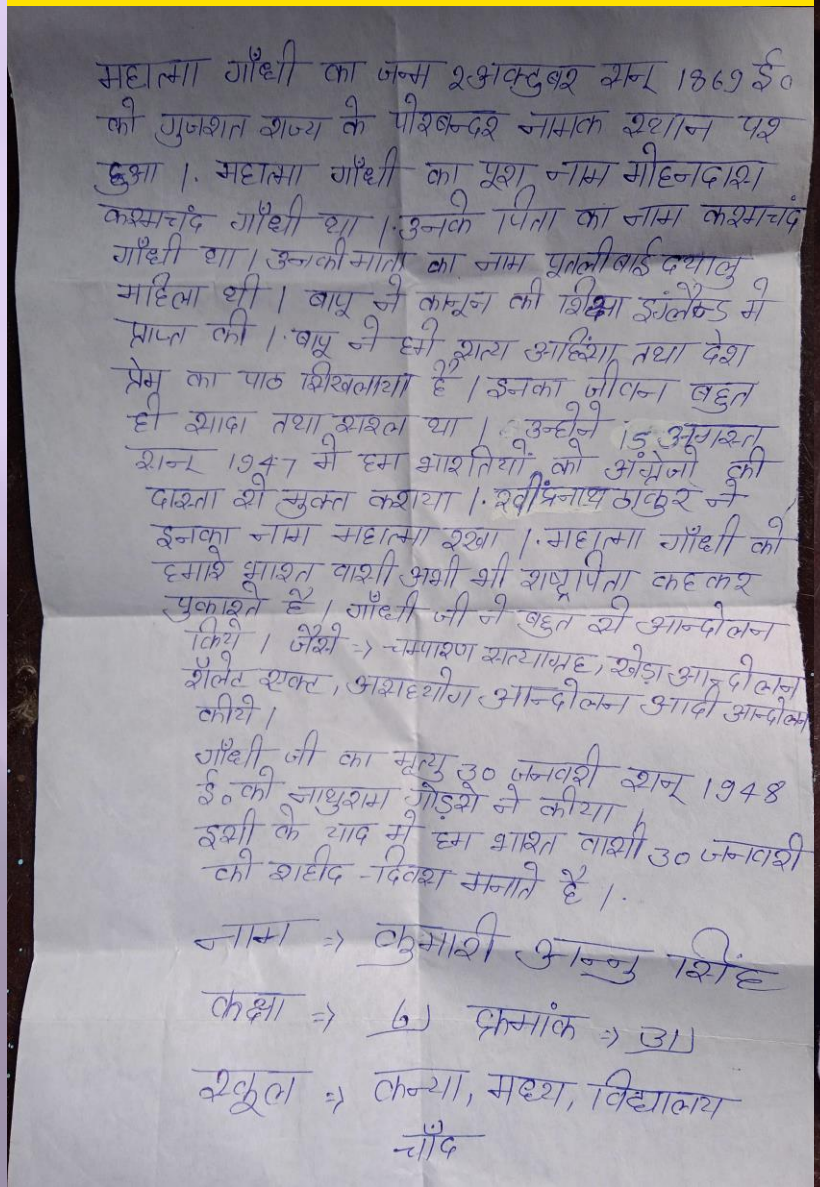

महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टुबर सन् 1869 ई० को गुजरात राज्य के पोरबन्दर नामक स्थान पर हुआ। महात्मा गाँधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। उनके पिता का नाम करमचंद गाँधी था। उनकी माता का नाम पुतलीबाई दयालु महिला थी। बापू ने कानून की शिक्षा इंग्लैण्ड मे प्राप्त की। बापू ने हमे सत्य अहिंसा तथा देश प्रेम का पाठ सिखलाया है। इनका जीवन बहुत ही सादा तथा सरल था। उन्होने 15 अगस्त सन् 1947 मे हम भारतियों को अंग्रेजो की दासता से मुक्त कराया। रवींद्रनाथ ठाकुर ने इनका नाम महात्मा रखा। महात्मा गाँधी को हमारे भारत वासी अभी भी राष्ट्रपिता कहकर पुकारते है। गाँधी जी ने बहुत से आन्दोलन किये। जैसे => चम्पारण सत्याग्रह, खेड़ा आन्दोलन रौलेट एक्ट, असहयोग आन्दोलन आदी आन्दोलन कीये।

गाँधी जी का मृत्यु 30 जनवरी सन् 1948 ई० को नाथुराम गोड़से ने कीया। इसी के याद मे हम भारत वासी 30 जनवरी को शहीद दिवस मनाते है।

नाम => कुमारी अन्नु सिंह

कक्षा => 6) क्रमांक => 31)

स्कूल => कन्या, मध्य, विद्यालय चाँद

पडिंत जवाहर लाल नेहरू का जीवनी

=> पडिंत जवाहरलाल नेहरू भारत के महान नेता थे। वे हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म 14 नम्बर 1889 ई०वी० को इलाहाबाद में हुआ। मोतीलाल नेहरू उनके पिता थे। और स्वरूप रानी उनकी माता थी। कमला नेहरू उनकी पत्नी थी। श्रीमती इंदिरा गाँधी उनकी एकमात्र संतान थी। जवाहरलाल नेहरू ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा घर पर प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने हैरो और कैंब्रिज में शिक्षा पाई। तब वे वकील बने। लेकिन उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने पेशे को त्याग दिया। उन्होंने स्वाधीनता संग्राम में सक्रीय भूमिका अदा की। वे अनेक बार जेल गए। जब भारत ने आजादी प्राप्त की, तो वे हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने। उनका निधन 27 मई 1964 ई०वी० को हुआ उनके निधन पर अत्यधिक शोक प्रकट किया गया। जवाहरलाल नेहरू शांति के महान प्रेमी थे। वे महान राजनीतिज्ञ, ~~वक्ता~~ वक्ता, विद्धान और लेखक थे। वे बच्चे के बड़े स्नेही थे। बच्चे उनको प्यार से चाचा नेहरू कहते थे। जब 14 नम्बर को उनका जन्मदीन आया तो बच्चे ने जिद्द कर कर उनका जन्मदिन मनाय लेकिन चाचा नेहरू ने इसे बालदिवस के रूप में मनाया हमलोग उनको कभी नहीं भुलेगे जय हिन्दी जय भारत

समाप्त

Nisha Kumari Roll

सावित्रीबाई फुले

[भारत की पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक]

सावित्रीबाई फुले *Savitribai Phule*, जन्म- 3 जनवरी, 1831; मृत्यु- 10 मार्च, 1897) भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रधानाचार्या और पहले किसान स्कूल की संस्थापिका थीं। महात्मा ज्योतिबा को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में माना जाता है। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए, सावित्रीबाई के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे। सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया। जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछात मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। वे एक कवयित्री भी थीं। उन्हें 'मराठी की आदिकवयित्री' के रूप में भी जाना जाता था।

www.teachersofbihar.org

दिवस प्रेरणा 4 जनवरी

लुई ब्रेल

(ब्रेल लिपि के अविष्कारक)

बचपन में ही आँख खो दिया ...

संघर्ष

तीन वर्ष की उम्र में एक दिन काठी के लिए लकड़ी काटते समय इस्तेमाल किया जाने वाला लोहे का एक सूजा लुई ब्रेल की आँखों में घुस गया। उनके आँख से खून बहने लगा। परिवार ने उनकी चोट को साधारण समझ कर उसकी पट्टी कर दी। कुछ दिनों बाद लुई ब्रेल की अपनी दूसरी आँख से भी कम दिखाई देने की शिकायत की परन्तु उसके पिता ने आर्थिक अभाव और लापरवाही के कारण अनदेखा कर दिया। इस वजह से मात्र आठ वर्ष की उम्र मे लुई ब्रेल पूरी तरह से दृष्टिविहीन हो गए।

सफलता

लुई ब्रेल की दुनिया में पूरी तरह से अँधेरा छा जाना, उनके लिए एक बड़ा आघात था। लेकिन आठ साल के बालक लुई ने इससे हारने के बजाय इसे चुनौती के रूप मे लिया। 1829 में लुई ब्रेल छह बिन्दुओं पर आधारित ब्रेल लिपि बनाने में सफल हुए। लेकिन तत्कालिन शिक्षाशास्त्रीयों ने इसे मान्यता नहीं दिया। लुई ब्रेल ने हार नहीं मानी और पादरी बैलेन्टाइन की मदद से अपनी अविष्कार की गयी लिपि को दृष्टिहीन व्यक्तियों के मध्य लगातार प्रचारित करते रहे। उनकी बनायी हुई लिपि अब सारे दृष्टिहीनों को पढ़ने में मदद करती है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

राष्ट्रीय युवा दिवस

12 जनवरी

सफलता के 10 सूत्र

-स्वामी विवेकानन्द

1. लक्ष्य पर डटे रहो !
2. कर्म करो आलस्य त्यागो
3. चुनौतियों का सामना करो
4. ध्येय के प्रति पूर्ण एकाग्र रहो
5. कमजोर नहीं, शक्तिशाली बनो
6. आत्मविश्वास बनाये रखो !
7. गलतियों से सीखो !
8. दूसरों को दोष मत दो !
9. मन को उदार बनाओ !

बाल मन कैमूर पत्रिका

तुम मुझे खून दो .
मैं तुम्हें आजादी दूंगा..
गरम दल के नेता.
आजाद हिंद फौज के संस्थापक.
भारत मां. के इस लाल को .शत शत
नमन

23 जनवरी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के
जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं
आप सभी को मेरी तरफ से
एवं समस्त भारतवासी को

भारत माता की जय

neelam kharwar

|| जय मां सरस्वती ||

|| VASANT PANCHAMI ||

सरस्वती पूजा की हार्दिक
शुभकामनाएं

बाल मन कैमूर पत्रिका

India

Republic day

January 26 2023

बालमन वैभूर की तरफ से ढेर सारी शुभकामनाएं

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you